TV10 INDIA MEDIA NETWORK PRESENTS

SAMVAAD

EXPLORES DEVBHOOMI

Conversations with the Himalayas

2025

उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड का तेजी से बढ़ता डिजिटल न्यूज़ नेटवर्क

TV10 INDIA MEDIA NETWORK

tv10india.com

tv10india

tv10india

tv10india

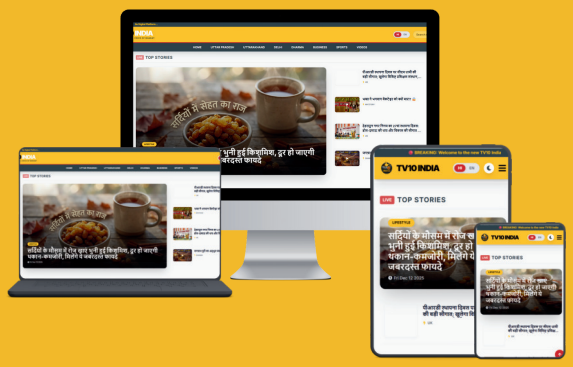

अच्छा पढ़ो, आगे बढ़ो

कभी कम नहीं होगा शब्दों का वज़न

हम उस दौर में हैं। जब सिक्कों का वजन शब्दों पर भारी पड़ रहा है। लेकिन मेरा और टीम का मानना है कि शब्दों का वजन कभी कम नहीं हो सकता है।

हम TV10 INDIA में विचार को, खबरों को प्राथमिकता दे रहे हैं। हम आपको बीस खबरें नहीं पढ़वाना चाहते, हम आपको कायदे की सिर्फ पांच खबरें पढ़वाना चाहते हैं, जो आपके काम की हैं।

लोगों का भरोसा ही है, जिसकी वजह से आज TV10 INDIA लाखों पाठक एवं दर्शकों का परिवार बन गया है। यह हमारे लिए गर्व का क्षण है और भावुकता का भी। 4 साल पहले देहरादून से शुरू हुई यह यात्रा अनवरत जारी है।

भरोसा रखिये कि हम न सिर्फ आपकी अपेक्षाओं पर खरे उतरेंगे बल्कि TV 10 INDIA को लगातार बेहतर बनाते रहेंगे। ताकि वह आपको एक जागरूक, जानकार और नॉलेज से समृद्ध पाठक के रूप में हमेशा आगे रखे।

tv10india.com हिंदी की वेबसाइट के पास एक लाख मंथली यूनिक विजिटर हैं और YouTube पर करीब 50 हजार सबक्राइबर और डेढ़ करोड़ से अधिक व्यूज हैं। ये संख्या काफी तेजी से बढ़ रही है। फेसबुक, इंस्टाग्राम जैसे सोशल प्लेटफार्म पर भी हमारी दमदार मौजूदगी है।

हमारी जिद रास्ते नहीं, हालात बदलने की है। हमारी जिद नज़र नहीं, नजरिया बदलने की है। हमारी जिद इतिहास दोहराने की नहीं, भविष्य बदलने की है। क्योंकि जिंदगी की तस्वीर सोच के आईने पर निर्भर होती है। अगर हमारी सोच सही है, तो सब बेहतर हो सकता है।

SUNEET DWIVEDI
EDITOR
TV10 INDIA

हम किसी नंबर गेम में नहीं हैं। हमें एक लाख, दो लाख, पांच लाख व्यूज नहीं चाहिए। हम दस हजार, पंद्रह हजार पर ही खुश हैं। लेकिन हम चाहते हैं कि जो पंद्रह हजार पाठक और दर्शक हैं। वे इस बात पर फख्र करें कि वे TV10 INDIA पढ़ रहे हैं।

आपने भरोसे का जो हाथ, मेरे कांधे पर रखा है। उसे शब्दों में बयां नहीं कर सकता। ये वही "ताकत" है, जो गांधी का चरखा देखने पर मिलती है। यह वही "ताकत" है, जो टैगोर के 'एकला चलो रे...' सुनने पर मिलती है। मुझे भरोसा है, आपकी ये "ताकत" दिनोंदिन बढ़ती जाएगी।

हम श्रेष्ठतम होने का कोई दावा नहीं करते। लेकिन, हम गौतम बुद्ध के प्रेम पथ, महावीर के अहिंसा संकल्प, संत ज्ञानेश्वर की ज्ञान यात्रा और महात्मा गांधी के सत्य मार्ग पर चलने का प्रयास कर रहे हैं। कहीं न कहीं इस अंतः यात्रा में हमें कठिन सामाजिक और राजनैतिक विभीषिकाओं से भी गुजरना पड़ सकता है।

लेकिन हम मानवता, नैतिकता और वैज्ञानिक सोच से कभी दूर नहीं होंगे। हमारी दृष्टि में समभाव होगा और सोच में नर्बैर। प्रकृति और जीवन को बचाने का प्रयास हम कभी नहीं छोड़ेंगे।

अंत तक नहीं...

TV10 INDIA
MEDIA NETWORK

एडिटर – सुनीत द्विवेदी
डिप्टी एडिटर – वेदांत शुक्ला
असिस्टेंट एडिटर – अल्पना द्विवेदी
मार्केटिंग हेड – विनीत द्विवेदी
लीगल एडवाइजर – एशना शुक्ला
ब्यूरो चीफ (यूएस नगर) – यामीन अंसारी

ऑफिस – 71–बी, इंदिरापुरम, जीएमएस रोड, देहरादून (उत्तराखंड)

ऑफिस – 82/31ए, इंद्रपुरी गांधीग्राम, सुभाष रोड, कानपुर–7, (उत्तर प्रदेश)

Building Dreams, Shaping Futures

Under the dynamic leadership of Mr. Sachin Goyal, Managing Director, the company has emerged as a trusted name in the region's infrastructure and real estate sector.

At Kumar Infratech Rudrapur, we believe that development is not just about constructing buildings–it's about building trust, quality, and a better tomorrow.

Driven by innovation and commitment, Kumar Infratech continues to create world-class projects that blend design, comfort, and sustainability. Each project reflects our core values–integrity, excellence, and customer satisfaction.

Our mission is to redefine urban living and contribute to the growth of Rudrapur by creating spaces that inspire progress and prosperity.

Contact Us Today: Kumar Infratech Rudrapur +91-9759863094

Disclaimer: We here by forego any type of enforceable right on the brand name shown here.

For any query contact or visit here : Nanakmatta Sahib, Uttarakhand, Pin - 262311 www.bansalflourmill.com

विज्ञान और अध्यात्म का मिलन

नीम करोली बाबा का चमत्कार

नैनीताल: यह बात 1967 की है। रिचर्ड अल्पर्ट, जो अमेरिका की प्रसिद्ध हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में मनोविज्ञान के प्रोफेसर थे, दुनिया की नज़र में बेहद सफल थे। लेकिन उनके अंदर एक गहरा खालीपन था। रिचर्ड शांति और ईश्वर को खोजने के लिए एलएसडी जैसी नशीली दवाओं का सहारा लेते थे। उन्हें लगता था कि नशा उन्हें भगवान के करीब ले जाता है, लेकिन नशा उतरते ही वे फिर अकेले हो जाते। इसी सच की तलाश उन्हें भारत खींच लाई और वे नैनीताल के पास 'कैंची धाम' पहुँचे।

बाबा तो अंतर्यामी थे। एक दिन उन्होंने अचानक रिचर्ड से पूछा, "तुम्हारे पास वो 'दवा' है जिससे तुम ईश्वर को देखते हो? मुझे दिखाओ।" रिचर्ड घबरा गए, लेकिन उन्होंने एलएसडी की शीशी निकाल दी। बाबा ने हाथ आगे बढ़ाया। रिचर्ड को लगा बाबा एक गोली मांगेंगे, लेकिन बाबा ने हथेली पर तीन गोलियां रखवा लीं।

रिचर्ड की सांसें थम गईं। एलएसडी की एक गोली ही किसी इंसान को घंटों तक होश से उड़ाने के लिए काफी थी। तीन गोलियां किसी के लिए भी जानलेवा हो सकती थीं। लेकिन इससे पहले कि रिचर्ड कुछ बोल पाते, बाबा ने तीनों गोलियां मुंह में डालीं और पानी के साथ गटक गए।

रिचर्ड डर से कांपने लगे। वे एकटक बाबा को देखते रहे, यह सोचते हुए कि अब बाबा बहकी बातें करेंगे या गिर पड़ेंगे। एक घंटा बीता... दो घंटे बीते... लेकिन बाबा वैसे ही मुस्कुराते रहे। वे भक्तों से बातें करते रहे, अपना काम करते रहे। दुनिया के सबसे खतरनाक नशे का उन पर रत्ती भर भी असर नहीं हुआ। उस दिन उस कंबल वाले बाबा के सामने विज्ञान के सारे नियम फेल हो गए थे।

तब बाबा ने रिचर्ड को वह सीख दी, जिसने उनका जीवन बदल दिया: "रिचर्ड, ये दवाइयां तुम्हें कुछ पलों के लिए ऊपर ले जा सकती हैं, लेकिन वहां तुम टिक नहीं सकते। नशा उतरते ही नीचे आना पड़ेगा। अगर तुम्हें सच में हमेशा उस मस्ती में रहना है, तो प्रेम और सेवा का नशा करो। यह नशा कभी नहीं उतरता।"

उस दिन 'प्रोफेसर रिचर्ड अल्पर्ट' का अहंकार टूट गया और एक संत 'राम दास' का जन्म हुआ। उन्होंने अपना पूरा जीवन बाबा के चरणों में समर्पित कर दिया।

अच्छी खबरों के लिए पढ़ें
tv10india.com

FORESTÈ RESORT

Experience Nature's Charm with Warm Hospitality

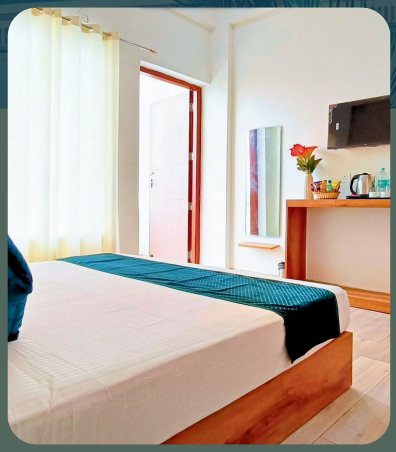

ABOUT US

Forestè Resort blends natural beauty with premium comfort. Whether it's an intimate event or a grand celebration, our resort is crafted to make your special moments unforgettable.

UNBEATABLE PACKAGES

Wedding Package
Starting at ₹1,25,000
(Includes Hall, Lawn, Poolside Decor, DJ, & Catering)

Corporate Package
Stay + All Meals @ ₹1499 / pax

Student Package
Stay + All Meals @ ₹1249 / pax

WHAT MAKES US SPECIAL?

- ✅ Premium Poolside Rooms for Guests
- ✅ Elegant Venues for Ceremonies
- ✅ Complete Event Arrangements (Decor, Audio, Food)
- ✅ Located Near Dhela Jhirna Range

PERFECT FOR

- Weddings & Receptions
- Haldi & Mehendi Ceremonies
- Corporate Meetings & Events
- Family Get-Togethers & Anniversaries

BOOK YOUR DATE TODAY

Manvinder Singh | 8474911115, 8474911116 | foresteresortinfo@gmail.com
www.foresteresort.com | Near Dhela Jhirna Range, Jim Corbett National Park

कुमाऊं पहाड़ियों के लिए गेटवे — है उधम सिंह नगर —

सितारगंज। उत्तराखंड का उधम सिंह नगर पहले नैनीताल जिले का हिस्सा था. जबकि 1995 में इसे अलग जिला बना दिया गया, जो कि आधुनिक कृषि, शिक्षा और इंडस्ट्री के केंद्र के रूप में पहचान रखता है. वहीं, रुद्रपुर (Rudrapur) जिले का मुख्यालय है. हालांकि एक समय दलदली भूमि, कई महीनों की वर्षा, जंगली जानवरों और परिवहन के साधन के अभाव में यह उपेक्षित था, लेकिन सरकार और जनता के प्रयासों से यह अब राज्य के बेहतरीन जिलों में शुमार हो गया है. यही नहीं, उधम सिंह नगर कुमाऊं पहाड़ियों के लिए गेटवे है.

कुछ ऐसा है इतिहास

इतिहासकारों की मानें तो सैकड़ों साल पहले गांव रूद्रपुर को भगवान रूद्र के एक भक्त या रुद्र नाम के हिंदू आदिवासी प्रमुख ने स्थापित किया था, जो कि रुद्रपुर शहर का आकार लेने के लिए विकास के चरणों के माध्यम से पारित हुआ है. जबिक मुगल सम्राट अकबर के शासनकाल के दौरान 1588 में इस भूमि को राजा रुद्र चंद्र को सौंप दिया गया था. रुद्रपुर नए रंगों और मानव गतिविधियों से भरा हुआ रहा है. ऐसा कहा गया है कि रुद्रपुर का नाम राजा रुद्र चंद्रा के नाम पर रखा गया था. अंग्रेजों के शासनकाल के दौरान, नैनीताल को एक जिला बना दिया गया और 1864-65 में पूरे तराई और भावर को तराई और भावर सरकारी अधिनियम के तहत रखा गया, जिसे ब्रिटिश मुकुट द्वारा सीधे नियंत्रित किया गया था.

उधम सिंह नगर जिले का क्षेत्रफल 2542 वर्ग किलोमीटर है और इसमें 687 गांव हैं. अगर जनसंख्या की बात करें तो यह 16 लाख से अधिक हैं, जिसमें पुरुष और महिलाओं का आंकड़ा तकरीबन बराबर है. जिले में सात ब्लॉक और आठ तहसील हैं और यहां साल भर टूरिस्ट सीजन रहता है.

ऐसे बदली किस्मत

विकास का इतिहास 1948 से शुरू हुआ, जब विभाजन की समस्या से शरणार्थी समस्या सामने आई थी. उत्तर-पश्चिम और पूर्वी क्षेत्रों के अप्रवासी को उपनिवेश योजना के तहत 164.2 वर्ग किमी भूमि क्षेत्र में पुन: स्थापित किया गया था. व्यक्तिगत निवासियों को क्राउन ग्रांट एक्ट के अनुसार भूमि आवंटित नहीं की गई थी और दिसंबर 1948 में अप्रवासियों का पहला बैच आया.

यामीन अंसारी

ब्यूरो चीफ, यूएस नगर

ये जगह हैं खास

- लेक पैराडाइस: यह कल्याणी नदी के पास रुद्रपुर के केंद्र में एक हरा-भरा विकास है और यहां साल भर कई पर्यटकों का आगमन रहता है.
- नानकमता साहिब गुरुद्वारा: उधम सिंह नगर में कई पर्यटक स्थल हैं, लेकिन नानकमता साहिब गुरुद्वारा खासा चर्चित है. यह रुद्रपुर से 56 किलोमीटर की दूरी पर स्थित रूद्रपुर-टनकपुर मोटर मार्ग पर है. नानकमता सिख धर्म का एक महान तीर्थ स्थान है.
- द्रोण सागर: उधम सिंह नगर में एक द्रोण सागर प्रसिद्ध जगह हैं और यहां पांडवों की कहानी से जुड़ी है.
- चैती देवी,मोटेशवर महादेव मंदिर: यह मंदिर काशीपुर बस स्टैंड से 2.5 किमी दूर स्थित है. जबकि यहां नवरात्रों के दौरान बड़े मेले का आयोजन किया जाता है.
- अटरिया मंदिर: एक लोककथा के अनुसार, जब राजा रुद्र गुजर रहा था तो उसका रथ दलदली भूमि में फंस गया था, इसलिए उसने उस जगह पर एक मंदिर बनाने का फैसला किया. अटरिया मंदिर पर एक बड़ा मेला लगता है जिसमें देवी जी के डोला को इस मंदिर तक लाया जाता है.

ऊधम सिंह नगर के डैम: सरयू नदी पर नानकमता में एक डैम बनाया गया है और वहां नानक सागर बनता है, जो कि नानकमता की सुंदरता को बढ़ाता है. हालांकि इसके अलावा बौर, हरिपुरा, नानकमता, धौरा, तुमारिआ, बैगुल आदि बांध इस जिले में मौजूद हैं.

अच्छी खबरों के लिए पढ़ें

tv10india.com

S.H. MULTISPECIALITY HOSPITAL

OUR SERVICE

- Diagnostics: CT Scan, X-Ray, Ultrasound & Path Lab
- Surgery: General & Orthopedic Surgery, Modular OT
- Critical Care: ICU, NICU, PICU & Ventilator Support
- Emergency: 24x7 Trauma Center & Cardiac Ambulance
- Mother & Child: Gynaecology, Obstetrics & Pediatrics
- Support: 24x7 Pharmacy, Blood Bank & Physiotherapy
- Insurance: Ayushman Cards Accepted & Cashless Treatment

AYUSHMAN CARD ACCEPTED

CONTACT

+91-8954918000

WP33+232, Pilibhit Road, Sitarganj, Dadha

ग़ायब हो जाएँगे केदारनाथ-बद्रीनाथ?

देहरादून: हिंदू धर्म के सबसे महत्वपूर्ण ग्रंथों में से एक, स्कंद पुराण में भविष्य को लेकर एक ऐसी भविष्यवाणी अंकित है जो किसी को भी चौंका सकती है। क्या सच में एक दिन केदारनाथ और बद्रीनाथ जैसे पवित्र धाम लुप्त हो जाएंगे? सदियों से हिमालय की गोद में बसे ये धाम करोड़ों हिंदुओं की आस्था का केंद्र रहे हैं, जहाँ मोक्ष की कामना लिए हर साल लाखों श्रद्धालु पहुँचते हैं।

किंतु, पुराणों के अनुसार, कलियुग के चरम पर एक प्रलयकारी घटना घटेगी। भविष्यवाणी कहती है कि एक समय ऐसा आएगा जब 'नर' और 'नारायण' नामक दो पर्वत आपस में मिल जाएंगे। इस मिलन के साथ ही बद्रीनाथ और केदारनाथ के वर्तमान मंदिर और वहां जाने वाले रास्ते पूरी तरह से विलुप्त हो जाएंगे, और भक्त अपने आराध्य के दर्शन नहीं कर पाएंगे।

इस घटना के संकेत अभी से मिलने शुरू हो गए हैं। भविष्यवाणी के अनुसार, इसका पहला संकेत जोशीमठ स्थित नरसिंह मंदिर में दिखेगा। यहाँ भगवान नरसिंह की एक प्राचीन मूर्ति है, जिसकी एक भुजा समय के साथ पतली होती जा रही है। मान्यता है कि जिस दिन यह भुजा टूटकर गिरेगी, बद्रीनाथ और केदारनाथ का मार्ग सदा के लिए बंद हो जाएगा। इसके साथ ही, पवित्र गंगा नदी भी धरती से लुप्त होकर ब्रह्मा के कमंडल में लौट जाएगी।

हालाँकि, यह अंत नहीं बल्कि एक नए आरंभ का संकेत है। जब वर्तमान धाम लुप्त होंगे, तब आस्था नए स्वरूप में प्रकट होगी। भगवान शिव 'भविष्य केदार' और भगवान विष्णु 'भविष्य बद्री' में पूजे जाएंगे। यह इस बात का प्रमाण है कि तीर्थस्थल भले ही बदल जाएं, लेकिन ईश्वर में आस्था का प्रवाह निरंतर बना रहेगा।

अच्छी खबरों के लिए पढ़ें
tv10india.com

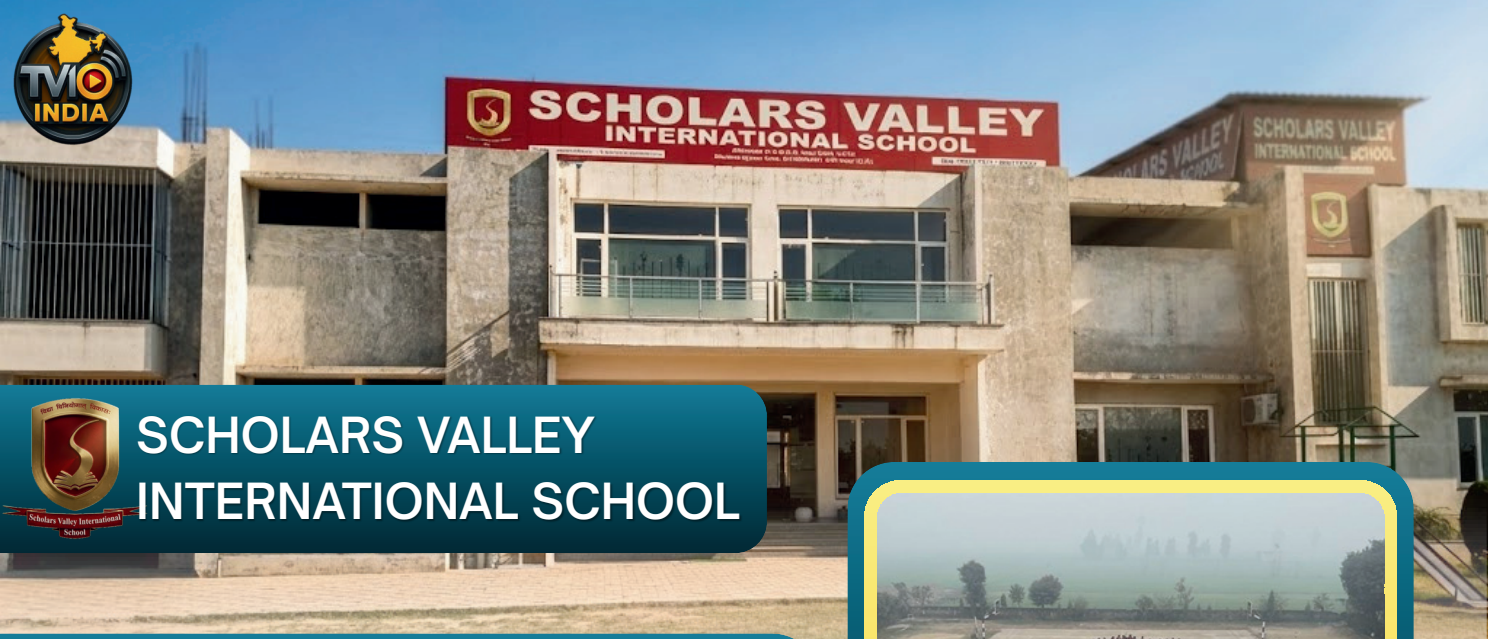

SCHOLARS VALLEY INTERNATIONAL SCHOOL

EXCELLENCE IN EDUCATION

INNOVATIVE MODULE-BASED LEARNING

Affiliated to C.B.S.E. New Delhi, we provide a holistic environment where academic brilliance meets personal growth. Experience a curriculum designed for the leaders of tomorrow

MR. PALVINDER SINGH AULLAKH
FOUNDER

Our Key Features

- Comprehensive Competitive Exam Prep
- Innovative Module-Based Curriculum
- Holistic Student Development
- Experienced & Skilled Faculty

KNOW MORE

7078397777, 9091333435

www.scholarsvalley.in

Khatima Bypass Road, Baghora, Sitarganj

रूपकुंड: भारत की कंकाल झील

देहरादून: क्या आप एक ऐसी झील की कल्पना कर सकते हैं, जो पानी से नहीं, बल्कि सैकड़ों इंसानी कंकालों से भरी हो? एक ऐसी जगह, जहां बर्फ़ की चादर के नीचे सदियों पुराने राज़ दफ़न हैं. ये कोई डरावनी कहानी नहीं, बल्कि हकीकत है. भारत के उत्तराखंड में, हिमालय की गोद में 16,500 फीट की ऊंचाई पर मौजूद है रूपकुंड झील, जिसे दुनिया "कंकालों की झील" या "Skeleton Lake" के नाम से जानती है.

आखिर कौन थे ये लोग? वे यहां कैसे पहुंचे? और सबसे बड़ा सवाल - उनकी मौत कैसे हुई? साल था 1942. एक ब्रिटिश फ़ॉरेस्ट रेंजर, एच. के. माधवाल, जब इस वीरान इलाके से गुज़र रहे थे, तो उनकी नज़र इस जमी हुई झील पर पड़ी. लेकिन जो उन्होंने देखा, उससे उनके होश उड़ गए.

बर्फ़ पिघलने पर झील के अंदर और किनारों पर सैकड़ों की तादाद में इंसानी कंकाल और हड्डियां बिखरी पड़ी थीं. शुरुआत में दुनिया को लगा कि ये द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान रास्ता भटके जापानी सैनिकों के कंकाल हैं, जिनकी मौत ठंड से हो गई. लेकिन जब इन कंकालों की जांच हुई, तो एक ऐसा सच सामने आया जिसने सबको हैरान कर दिया. ये कंकाल किसी दूसरे विश्व युद्ध के नहीं, बल्कि सैकड़ों साल पुराने थे!

वहीं स्थानीय लोककथाएं अपनी अलग ही कहानी कहती हैं. सबसे प्रसिद्ध कहानी है कन्नौज के राजा जसधवल की, जो अपनी गर्भवती रानी बलंपा के साथ नंदा देवी की तीर्थ यात्रा पर निकले थे. कहा जाता है कि रास्ते में उन्होंने जश्न मनाना शुरू कर दिया, जिससे देवी क्रोधित हो गईं और उन्होंने एक बर्फीला तूफ़ान भेजकर सबको मौत की नींद सुला दिया. आज भी हर 12 साल में होने वाली "नंदा देवी राज जात" यात्रा इसी रास्ते से गुज़रती है.

अच्छी खबरों के लिए पढ़ें
tv10india.com

संघर्ष से शिखर तक

प्रेम सिंह टुरना
नगर पंचायत अध्यक्ष

उत्तराखंड की राजनीति और समाज सेवा में प्रेम सिंह टुरना एक ऐसा नाम है, जिन्होंने अपने संघर्ष और कर्मठता से जनता के दिलों में खास जगह बनाई है। 7 फरवरी 2025 को जब उन्होंने पुनः नगर पंचायत अध्यक्ष पद की शपथ ली, तो उनका 'निर्विरोध' चुना जाना जनता के उन पर अटूट विश्वास का प्रमाण था।

प्रेम सिंह का जन्म 5 अप्रैल 1967 को एक विस्थापित परिवार में हुआ। उनके पिता स्व. जसवंत सिंह और माता स्व. जसवंत कौर पाकिस्तान से आकर नानकसागर डैम क्षेत्र में बसे थे। 1967 में डैम टूटने की त्रासदी के बाद उनका परिवार वार्ड नंबर पांच में बसा। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा गुरुनानक इंटर कॉलेज से प्राप्त की।

महज 16 वर्ष की उम्र में (1983) उन्होंने 'बलवीर इंडस्ट्रीज' की स्थापना कर दशकों तक किसानों की सेवा की। समय के साथ बदलाव अपनाते हुए 2023 में उन्होंने 'प्रेम पैलेस' की नींव रखी। उनके नेतृत्व क्षमता की पहचान 1999 में हुई जब वे पहली बार व्यापार मंडल के अध्यक्ष बने और अपने प्रभावी काम के कारण बाद में निर्विरोध भी चुने गए।

2018 में नगर पंचायत के पहले चुनाव में उन्होंने कांग्रेस के टिकट पर जीत हासिल की। बाद में, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व पर भरोसा जताते हुए वे भाजपा में शामिल हुए। उनके विकास कार्यों का प्रभाव इतना गहरा था कि 2025 के चुनाव में विपक्ष और जनता ने उन्हें निर्विरोध अध्यक्ष चुना, जो उनकी लोकप्रियता का ऐतिहासिक उदाहरण है।

Navjot Singh Turna (Ladi)
Manager

WEDDINGS & STAYS

The perfect destination for your special moments. We offer a Spacious Lawn, AC Banquet Hall, and Luxury AC Rooms. Ideal for Weddings, Birthdays, and Kitty Parties

Pro: Prem Singh Turna

Book Now
9756609683
Khatima Road, Shri Nanakmatta Sahib

उत्तराखंड के अनसुलझे रहस्य ल्वेथाप गुफाएं

नैनीताल: उत्तराखंड की वादियां केवल अपनी प्राकृतिक सुंदरता के लिए ही नहीं, बल्कि अपने गर्भ में छिपे प्रागैतिहासिक रहस्यों के लिए भी जानी जाती हैं। अल्मोड़ा की 'ल्वेथाप' गुफाएं इसी रहस्यमयी दुनिया का द्वार हैं। प्रसिद्ध इतिहासकार महेश्वर प्रसाद जोशी द्वारा खोजी गई ये गुफाएं, मानव सभ्यता के उस अनछुए पहलू को दर्शाती हैं, जिसे 'वानर से नर' बनने की महत्वपूर्ण कड़ी माना जाता है।

दीनापानी के पास स्थित इन गुफाओं में गहरे लाल रंग से बने शैलचित्र (Rock Paintings) महज कलाकृतियां नहीं, बल्कि मानव विकास का जीवंत दस्तावेज हैं। यहाँ की दीवारों पर उकेरे गए चित्र उस दौर की गवाह हैं जब मानव चतुष्पाद से द्विपाद बन रहा था और शिवालिक श्रेणियों में 'रामापिथेकस' (आदिमानव) का अस्तित्व था। इन चित्रों में शिकार के दृश्य यह बताते हैं कि आदिमानव ने कैसे संघर्ष से निकलकर एक सामाजिक प्राणी के रूप में विकसित होना शुरू किया।

ल्वेथाप की सबसे अद्भुत खोज एक मुख्य गुफा की छत पर चित्रित मानव आकृतियों की लंबी श्रृंखला है। इसमें एक-दूसरे का हाथ पकड़कर पंक्तिबद्ध खड़े 35 से 36 लोगों को दर्शाया गया है।

पुरातत्वविदों के अनुसार, यह किसी उत्सव या सामूहिक नृत्य का प्रतीक है, जो यह सिद्ध करता है कि पाषाणयुगीन मानव एक संगठित और विकसित समाज की ओर बढ़ चुका था।

स्थानीय बोली में 'ल्वे' का अर्थ है 'खून' और 'थाप' का अर्थ है 'चित्रण'। खून जैसे लाल रंग के चित्रों के कारण ही इसका नाम 'ल्वेथाप' पड़ा। यहाँ मिले ओखलीनुमा गड्ढे (Cup-marks) और महापाषाणकालीन समाधियां आदिमानव के जीवन और मृत्यु के संस्कारों को दर्शाती हैं। अल्मोड़ा से 20 किमी दूर स्थित यह स्थान न केवल इतिहास प्रेमियों के लिए, बल्कि मानव उत्पत्ति को समझने वालों के लिए एक अनमोल धरोहर है।

ऐसे पहुंचें

यह ऐतिहासिक स्थल अल्मोड़ा जिला मुख्यालय से लगभग 20 किलोमीटर दूर है। अल्मोड़ा-बिनसर रोड पर 18 किमी दूर 'कपड़खान' पहुंचें। यहाँ से 'सल्ला गांव' की तरफ 2 किमी कच्ची सड़क और फिर 2 किमी का पैदल सफर तय कर आप इन गुफाओं तक पहुंच सकते हैं।

अच्छी खबरों के लिए पढ़ें
tv10india.com

S.S. Global School

A Proud Past, A Strong Future

About School

SS Global School aims to create an environment where knowledge meets creativity. With modern infrastructure and holistic teaching, we nurture young minds to become leaders of tomorrow.

Mission

Our mission is to inspire students towards academic excellence, ethical values, and lifelong learning through global education standards.

Courses Offered

We follow the CBSE curriculum offering diverse subject combinations to suit every student's aspirations.

Features

- Modern Infrastructure & Smart Classes
- Experienced & Qualified Faculty
- Holistic Learning Environment
- Well-Equipped Labs & Library
- Sports, Arts & Cultural Activities
- Safe & Secure Campus
- Individual Attention & Mentorship
- Technology-Integrated Teaching
- Value-Based Education
- Regular Parent–Teacher Engagement
- CCTV Surveillance in All Classes
- Punjabi as an Optional Language
- Experiential Learning & Concept Building
- Abacus & French Class

8979952123, 9927472200 | Gaushala Road, Turka Tisor, Sitarganj-262405, (U.S.Nagar), Uttarakhand

शिव से विष्णु तक एक अनकहा रहस्य बद्रीनाथ

देहरादून: मान्यता है कि प्राचीन काल में बद्रीनाथ धाम भगवान शिव और माता पार्वती का प्रिय विश्राम स्थल हुआ करता था। यहाँ वे दोनों अपने परिवार संग आनंदपूर्वक निवास करते थे। किंतु श्रीहरि विष्णु को यह दिव्य स्थान इतना मनमोहक लगा कि उन्होंने इसे पाने के लिए एक अद्भुत लीला रच डाली।

सतयुग की एक जनश्रुति के अनुसार, जब भगवान नारायण यहाँ आए, तब यहाँ बदरी (बेर) के वृक्षों का घना वन फैला हुआ था। इसी वन में शिव-पार्वती शांत भाव से वास कर रहे थे। तभी एक दिन श्रीहरि विष्णु ने बालक का रूप धारण कर जोर-जोर से रोना प्रारंभ कर दिया। उनका करुण क्रंदन सुन माता पार्वती का हृदय द्रवित हो उठा। वे विस्मित होकर सोचने लगीं—आखिर इस निर्जन वन में यह नन्हा बालक कहाँ से आया और इसके माता-पिता कहाँ हैं? करुणा वश माता पार्वती उस रोते हुए बालक को गोद में उठाकर अपने निवास पर ले आईं। भगवान शिव अंतर्यामी थे; वे तुरंत समझ गए कि यह कोई साधारण बालक नहीं, बल्कि श्रीहरि विष्णु की माया है। उन्होंने पार्वती जी से आग्रह किया कि बालक को वहीं छोड़ दें, वह स्वयं शांत हो जाएगा। किंतु वात्सल्यमयी पार्वती ने शिवजी की बात न मानी और बालक को घर के भीतर सुला दिया।

जब बालक गहरी नींद में सो गया, तो शिव-पार्वती भ्रमण हेतु बाहर निकल गए। श्रीहरि को इसी क्षण की प्रतीक्षा थी। उन्होंने तुरंत द्वार भीतर से बंद कर लिए। लौटने पर जब शिवजी ने द्वार बंद पाया, तो भीतर से आवाज आई— "भगवन्! अब यह स्थान मुझे प्रिय हो गया है। कृपया आप केदारनाथ प्रस्थान करें।" भगवान शिव मुस्कराए, वे नारायण की बाललीला समझ गए और केदारनाथ चले गए। तभी से बद्रीनाथ में भगवान विष्णु और केदारनाथ में भगवान शिव पूजे जाते हैं।

अच्छी खबरों के लिए पढ़ें
tv10india.com

ISO Certified

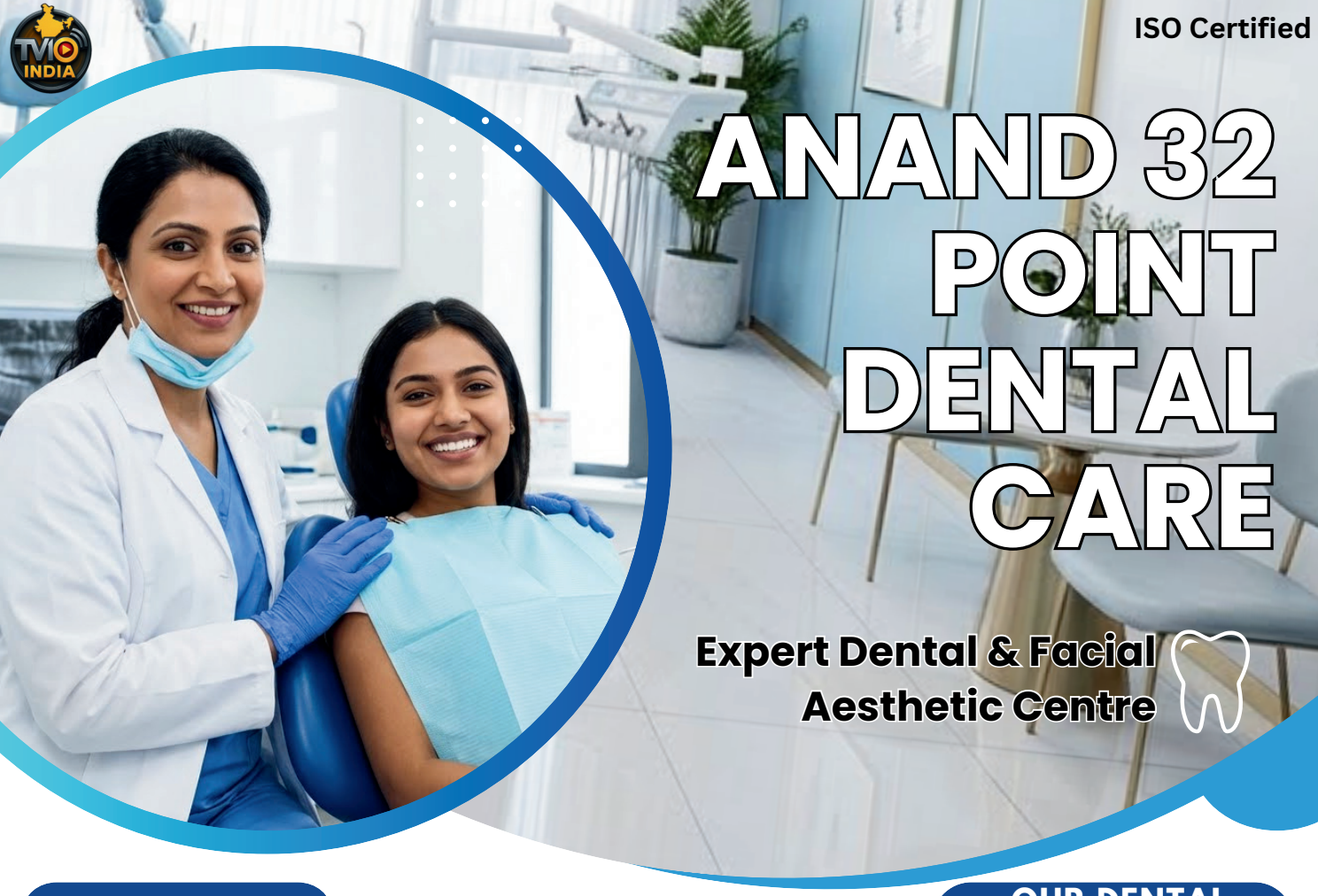

ANAND 32 POINT DENTAL CARE

Expert Dental & Facial Aesthetic Centre

FACIAL AESTHETICS

- ✓ BOTOX
- ✓ MESOBOTOX
- ✓ GFC (Hair/Skin)
- ✓ PRP (Hair/Skin)
- ✓ Dermaplaning
- ✓ Peels
- ✓ Medifacials
- ✓ Laser Treatments

ANAND 32 POINT DENTAL CARE

OUR DENTAL SERVICES

- ✓ Dental Implants
- ✓ Cortico-Basal Implants
- ✓ Conventional Implants
- ✓ Invisalign / Aligners
- ✓ Fixed Ortho Treatments
- ✓ Maxillofacial Prosthesis
- ✓ Full-Mouth Rehabilitation
- ✓ Crown & Bridge Work
- ✓ Trauma / Accident Cases
- ✓ CBCT (3D Scan) / OPG

About Doctor's

Dr. Anu Kaul Anand
(B.D.S, M.D.S) Reg No. 2746

- Oral & Maxillofacial Pathologist & Oral Microbiologist
- Certified Implantologist-S.Korea
- Facial Aesthetician & Cosmetologist
- Member Association of Oral Implantology

Dr. Vikram Anand
(B.D.S, M.D.S) REG. NO. 0847

- Oral & Maxillofacial Prosthodontist & Implantologist
- Cortico-Basal Implantologist, IF Germany
- Member Association of Oral Implantology

9837004424, 8791940133

Opposite Government Hospital, Near Sitarganj Pathology, Old Nanakmatta Road, Sitarganj

Goshen Public School

Where Excellence Meets Values

About School

A futuristic institution in the heart of Nanakmatta City. Affiliated with CBSE, we provide a secure, lush green environment dedicated to holistic growth under the aegis of the Goshen School Vikas Samiti Trust.

Mission

Committed to value-based education and personality development. We aim to mold students into responsible, competent, and confident youths ready to lead the future.

Courses Offered

We offer a comprehensive CBSE curriculum from Play Group to Senior Secondary (10+2).Students can choose from a variety of streams tailored to their career goals, supported by expert faculty and modern labs.

Unique Features

- Co-Education (CBSE 10+2)
- Smart & Interactive Classrooms
- Fully Equipped Labs (Science, Math, Computers)
- Music, Dance & Dramatics Studio
- Life Skills Development Programs
- Lush Green, Wi-Fi Enabled Campus
- 24-Hour Power Backup (Solar & Generator)
- Secure Campus (CCTV & Guards) with Transport Facility

Sitarganj Road, Nanakmatta, Dist. Udham Singh Nagar, Uttarakhand - 262311 | Goshenschool.co.in
GoshenSchoolNanakmatta@gmail.com | +91-9837135315, +91-9917922219

Sri Guru Teg Bahadur Multispeciality Hospital

YOUR HEALTH IS OUR PRIORITY

24x7 Emergency Services, Advanced Orthopedics & Gynecology Care in Sitarganj

Emergency Service

We offer 24x7 ambulance and emergency care for accidental injuries and trauma. Our facility is equipped to handle critical cases around the clock.

Specialist Doctors

Expert consultation with Dr. R.P. Singh (MBBS, MS Ortho - Ex Resident HIMS) for bone & joint care, and Dr. Surbhi Gupta (MBBS, MS, Gold Medalist - Obs & Gynae) for women's health.

Facilities & Treatments

Comprehensive care including Joint Replacement (Knee/Hip), Normal & C-Section Delivery, Infertility Treatment, Arthritis Management, and High-Risk Pregnancy Care.

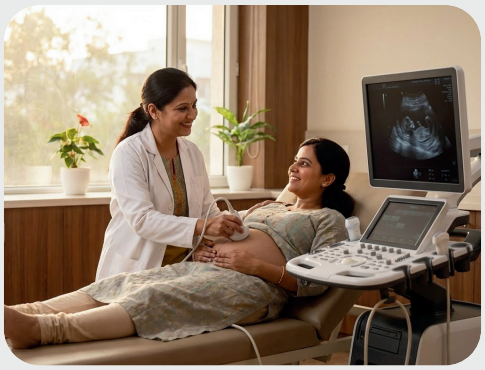

About Us

Guru Tegh Bahadur Multi-Speciality Hospital is Sitarganj's premier healthcare facility located opposite the Reliance Petrol Pump on Khatima Road. We are dedicated to providing top-tier medical services with a focus on Orthopedics and Gynecology.

From complex bone surgeries, paralysis treatment, and joint replacements to compassionate maternity care, PCOD treatment, and infertility solutions, our experienced team ensures every patient receives the best possible outcome.

7465828000, 9837545216 | Opp. Reliance Petrol Pump, Khatima Road, Sitarganj

लाखामंडल: जहाँ 'जीवित' होते हैं मुर्दे

देहरादून: उत्तराखंड की पहाड़ियों में कई रहस्य छिपे हैं, लेकिन जौनसार बावर क्षेत्र का 'लाखामंडल शिव मंदिर' सबसे अनोखा है। राजधानी देहरादून से लगभग 128 किलोमीटर दूर, यमुना नदी के तट पर बसा यह मंदिर सिर्फ आस्था का केंद्र नहीं, बल्कि महाभारत काल का एक जीता-जागता गवाह है।

दुर्योधन का षड्यंत्र और पांडव इतिहासकारों और मान्यताओं के अनुसार, यही वह स्थान है जहाँ कौरवों ने पांडवों को जलाकर मारने के लिए 'लाक्षागृह' (House of Lac) बनवाया था। पांडव सुरंग के रास्ते यहाँ से बच निकले थे। कहा जाता है कि अज्ञातवास के दौरान धर्मराज युधिष्ठिर ने यहाँ स्वयं शिवलिंग की स्थापना की थी, जो आज भी मंदिर के गर्भगृह में मौजूद है। यहाँ खुदाई में मिले पुरातात्विक अवशेष इस स्थान की प्राचीनता की गवाही देते हैं।

मृत्यु पर विजय का रहस्य इस मंदिर की सबसे बड़ी मान्यता इसे दुनियाभर में प्रसिद्ध करती है। मंदिर के द्वार पर दो द्वारपालों की मूर्तियाँ हैं। किंवदंतियों के अनुसार, यदि किसी शव को इन मूर्तियों के सामने रखकर पुजारी अभिमंत्रित जल छिड़कते थे, तो वह मृत व्यक्ति कुछ क्षणों के लिए जीवित हो उठता था। वह शिव का नाम लेता, गंगाजल ग्रहण करता और फिर उसकी आत्मा शरीर त्यागकर मोक्ष प्राप्त कर लेती थी।

चमकने वाला अद्भुत शिवलिंग यहाँ का शिवलिंग भी सामान्य नहीं है। यह ग्रेफाइट का बना है और इस पर पानी डालते ही यह शीशे की तरह चमकने लगता है। मान्यता है कि जलाभिषेक करते समय भक्त को इसमें अपना चेहरा दिखाई देता है।

अच्छी खबरों के लिए पढ़ें
tv10india.com

A Q INDUSTRIES

TRANSFORMER

MANUFACTURING

Providing essential electrical components and high-performance transformers for diverse industrial sectors.

Committed to Quality, Innovation, and Customer Satisfaction

OUR SERVICES

- Mfg. of Distribution Transformers
- Transformer Tank Fabrication
- Three-Phase & Power Transformers
- Repair & Maintenance Services

ENQUIRE NOW

PROPRIETOR: **Mr. Khurshid Alam Khan**

sales@aqindustries.in

6396022530, 9927329191, 7351928915

C-107, Edelco Sidcul Ind. Park, Sitarganj, Uttarakhand

हिमालय में 'बर्फ का सूखा'

देहरादून: सर्दियों का मौसम अपने चरम पर है, लेकिन हिमालय की चोटियां, जो इस समय बर्फ की सफेद चादर से ढकी होनी चाहिए थीं, वे सूखी और वीरान पड़ी हैं। वैज्ञानिकों ने इस अभूतपूर्व स्थिति को 'बर्फ का सूखा' (Snow Drought) नाम दिया है। जलवायु परिवर्तन और अल नीनो के प्रभाव के कारण हिमालयी क्षेत्रों में बर्फबारी और बारिश के आंकड़े बेहद चिंताजनक हैं।

आंकड़े दे रहे खतरे की गवाही भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMD) और सैटेलाइट डेटा से प्राप्त आंकड़े एक डरावनी तस्वीर पेश करते हैं। पिछले चार सालों में हिमालय रेंज में बर्फबारी में 23% की कमी आई है। कश्मीर में तो स्थिति और भी भयावह है, जहाँ बर्फबारी में 46.63% की गिरावट दर्ज की गई है, जिसने 1974 का रिकॉर्ड तोड़ दिया है।

बारिश का अभाव भी चिंता का विषय है। 1 नवंबर से 10 दिसंबर 2025 के बीच हिमाचल प्रदेश में 90%, जबकि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में लगभग 86% कम बारिश हुई है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि मौसम में कोई बड़ा बदलाव नहीं आया, तो 2025 इस सदी का सबसे सूखा साल साबित हो सकता है।

वैज्ञानिकों के अनुसार, इसके पीछे मुख्य वजह ग्लोबल वार्मिंग और अल नीनो (El Niño) का प्रभाव है। बढ़ते तापमान के कारण बर्फ न केवल कम गिर रही है, बल्कि जो गिरती है वह भी जल्दी पिघल जाती है। पश्चिमी विक्षोभ (Western Disturbance) के कमजोर होने के कारण अफगानिस्तान, पाकिस्तान और उत्तर भारत के पहाड़ों में गंभीर सूखा पड़ा है।

बर्फ की कमी का सीधा असर एशिया की जल प्रणालियों पर पड़ रहा है। सिंधु, गंगा और झेलम जैसी नदियों का जलस्तर रिकॉर्ड निचले स्तर पर है। ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, लेकिन नई बर्फबारी न होने से उनकी भरपाई (Recharge) नहीं हो पा रही है।

इसका असर स्थानीय अर्थव्यवस्था पर भी साफ़ है। गुलमर्ग और सोनमर्ग जैसे हिल स्टेशन बिना बर्फ के सूने हैं, जिससे पर्यटन उद्योग की कमर टूट गई है। वहीं, सेब के बागानों को जिस नमी की जरूरत होती है, वह न मिलने से खेती भी संकट में है।

अच्छी खबरों के लिए पढ़ें
tv10india.com

डा. बंकीम चन्द्र होम्योपैथी फार्मेसी

सम्पूर्ण होम्योपैथिक इलाज

हमारे यहाँ सभी प्रकार के पुराने एवं जटिल रोगों का होम्योपैथी पद्धति द्वारा जड़ से व सफल इलाज किया जाता है।

- बवासीर, भगन्दर, दमा, गठिया
- ट्यूमर, कैंसर, रसोली, गाँठ
- स्त्री रोग, बच्चेदानी व गुप्त रोग
- बाल झड़ना, डेंगू व अन्य पुराने रोग

डॉ. विनय कृष्ण मण्डल
(D.H.M.S.)

संपर्क करें

9917944416, 6396779706

मेन रोड, मुख्य बाजार, शक्तिफार्म

ग्लेशियरों पर गहराता संकट

देहरादून। उत्तराखंड में मौजूद हिमालय के ग्लेशियरों की सेहत खराब हो रही है. इसकी मुख्य वजह कम बर्फबारी है. दूसरी वजह यह है कि जो बर्फबारी हो रही है, वह भी ग्लेशियर पर टिक नहीं पा रही है. अब वैज्ञानिक इस बात से चिंतित हैं कि अगर यही हाल लगातार बना रहा, तो उत्तराखंड के हिमालय क्षेत्र में मौजूद ग्लेशियर—जिनमें गंगोत्री, मिलम, खतलिंग, पिंडारी, काफनी जैसे कई ग्लेशियर शामिल हैं, खतरे में आ जाएंगे.

ग्लेशियर पीने के पानी का सबसे बड़ा स्रोत

हिमालय को थर्ड पोल कहा जाता है. हिमालय में लगभग 10 हजार छोटे-बड़े ग्लेशियर हैं और यह पीने के पानी का सबसे बड़ा स्रोत है. हिमालय क्षेत्र में मौजूद ग्लेशियरों को हर साल पड़ने वाली बर्फ उनकी सेहत सुधारती है. लेकिन पिछले कुछ समय से ग्लेशियरों की सेहत खराब हो रही है. यानी ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, उनका आकार घट रहा है और ग्लेशियर की न सिर्फ चौड़ाई बल्कि लंबाई भी कम हो रही है.

हिमालय में, खासकर उत्तराखंड के क्षेत्र में गंगोत्री, मिलम, खतलिंग, पिंडारी, चोराबारी, डोकरानी जैसे बड़े ग्लेशियर हैं और ये सब तेजी से पिघल रहे हैं. हिमालय पर स्टडी और रिसर्च करने वाले वाडिया इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन जियोलॉजी के वैज्ञानिक डॉ. पंकज चौहान ने उत्तराखंड के पिंडारी एवं काफनी ग्लेशियर पर स्टडी की है.

डॉ. पंकज चौहान ने इस स्टडी में पाया कि तापमान तेजी से बढ़ रहा है, जिसकी वजह से बर्फबारी टिक नहीं पा रही है. इसका मतलब यह है कि नवंबर-दिसंबर-जनवरी में पड़ने वाली बर्फ गिर तो रही है, लेकिन लंबे समय तक ग्लेशियर पर टिक नहीं रही और तेजी से पिघल जा रही है.

सर्दियों का सीजन घट रहा... वैज्ञानिक

वाडिया इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन जियोलॉजी के वैज्ञानिक डॉ. पंकज चौहान ने ये जानकारी दी कि गर्मियों का सीजन बढ़ रहा है और सर्दियों का सीजन घट रहा है. डॉ. पंकज चौहान ने बताया कि दिसंबर और जनवरी में पड़ने वाली बर्फ अब मार्च और अप्रैल में पड़ रही है, जबकि मार्च-अप्रैल में तापमान—धरती का और हवा का—बढ़ा हुआ होता है. ऐसे में बर्फ ग्लेशियर पर टिक नहीं पा रही और बहुत तेजी से पिघल रही है. स्नोफॉल पड़ने का शिफ्टिंग रेट 10 से 15 फीसदी हो गया है. इसके अलावा जलवायु परिवर्तन का ऐसा असर हो रहा है, जिसकी वजह से 2500 मीटर तक होने वाली बारिश अब 3000 मीटर से ऊपर तक पड़ रही है.

अच्छी खबरों के लिए पढ़ें
tv10india.com

MANAK RESORT

Looking for the best venue in Sitarganj? Visit Manak Resort on Kiccha Road. We offer premium lodging, huge outdoor lawns, and exquisite catering. Perfect for weddings, parties, and all your special events

BOOK NOW

LOCATION: KICCHA ROAD, SITARGANJ
BOOKINGS OPEN: CALL US AT 9991516468

उत्तराखंड की 'छोलिया' विरासत

नैनीताल। उत्तराखंड की सांस्कृतिक परंपराओं का अपना इतिहास रहा है. इन सांस्कृतिक परंपराओं की जड़ें हमें अपने इतिहास और पुरातन समाज की गौरवपूर्ण गाथाओं से जोड़ती हैं. कुमाऊं का लोकनृत्य छोलिया भी एक ऐसी ही लोककला है. उत्तराखंड की भूमि अतीत से ही अपनी वीरता और रणकौशल के लिए जानी जाती है और आज भी हमारे देश कि रक्षा में उत्तराखंड के रणबांकुरे प्रथम पंक्ति में शुमार हैं.

छोलिया के नाम से ही स्पष्ट है छल पूर्वक युद्ध करना. टोली में 10 से 20 तक छोलिया हो सकते हैं. इसमें ढोल, दमाऊ, मशकबीन, रणसिंघा जैसे वाद्ययंत्रों के साथ-साथ इनको बजाने और नृत्य करने वाले छोलिया होते हैं. नृत्य करने वाले छोलियाओं के दाएं हाथ में तलवार तथा बाएं हाथ में ढाल होती है. ढोल की थाप के साथ छोलिया ढाल तलवार के साथ नृत्य करते हैं.

कभी पहाड़ी बारात की शान हुआ करते थे छोलिया नर्तक

पुराने समय में उत्तराखंड की लोक संस्कृति को समेटे हुए छोलिया पहाड़ी बारात की शान हुआ करते थे. इनके ढोल से निकली मधुर ध्वनि की थाप पहाड़ की वादियों के बीच सुकून प्रदान करती थी. जिस प्रकार युद्ध में पुराने समय में राजा महाराजा जाया करते थे, तो लोग लाल और सफेद ध्वज लेकर उनके साथ चलते थे. लाल ध्वज वाहक आगे और सफेद ध्वज वाहक पीछे चलता था. उनके बीच में छोलिया कलाकार ढोल, दमाऊं, रणसिंघा वाद्ययंत्रों को बजाकर चलते थे. उसी प्रकार कुमाऊं में कुछ समय पहले तक शादियों में इस परंपरा को निभाया जाता था, जहां शादियों में छोलिया और ध्वज को ले जाया जाता था. पर बदलते दौर नेवर्तमान में शादियों में डीजे की कर्कश ध्वनि और बैंड बाजे को शामिल कर दिया गया है और छोलिया का अस्तित्व समाप्त सा हो गया है.

सरकार की अनदेखी से विलुप्ति की कगार पर

पिथौरागढ के ग्राम पांखू से नैनीताल आए छोलिया टीम के ढोल वादक भगत राम दास ने बताया कि उनकी पांच पीढ़ियां इस लोक कला को जीवंत रखने का काम कर रही हैं. इससे पूर्व उनके पिता जी, दादा जी समेत उनसे पहले की पांच पीढ़ियां छोलिया नृत्य करती आ रही हैं. वह कई सालों से मां नयना देवी मंदिर आकर आरती करवा रहे हैं, लेकिन सरकार द्वारा उनको और उनके जैसे छोलिया कलाकारों को किसी भी प्रकार का कोई सहयोग नहीं दिया गया है. यहां तक सहयोग के नाम पर कुछ वाद्ययंत्र समूह के माध्यम से दिए गए थे, जो बाद में वापस ले लिए गए.

अच्छी खबरों के लिए पढ़ें
tv10india.com

At SD Enterprises, we specialize in getting you noticed. Whether you are launching a new shop, promoting an event, or simply want more customers, our advertising solutions are designed to deliver results.

Why Choose Us?

- ✓ Strategic Placement
- ✓ Budget-Friendly Packages
- ✓ Complete Execution Support

Our Services Include:

- Hoardings & Billboards
- Print Media
- Pamphlets & Flyers
- Creative Branding
- Promotional Campaigns

ENTERPRISES

Contact: sdenterprisesdd@gmail.com

TV10 INDIA

अच्छी खबरों के लिए पढ़ें

tv10india.com

NEW HIND AGENCY

Authorised Distributor & Contractor

Our Core Services

- Coca-Cola Distributor
- Itel Mobile Phones
- General Contractor
- Event & Shop Supply

Prop. Imran Patodi
S/o Ekshad Ahmad Patodi

Serving Sitarganj since 1997. We are the trusted authorized distributor for premium brands like Coca-Cola and Itel. Whether you need bulk beverage supply, mobile handsets, or professional contracting services, we guarantee quality and reliability

Contact Person: 9837776885 JCR, Near Post Office, Sitarganj (U.S. Nagar) 262405

क्षेत्र के एकमात्र विश्वसनीय व उच्च क्वालिटी के फर्नीचर निर्माता

गुणवत्ता ही हमारी पहचान है।

शाहजी फर्नीचर हाउस एवं शोरूम

हमारे यहां कुशल व अनुभवी कारीगरों द्वारा बेड, ड्रेसिंग, सोफा, टेबिल, अलमारी, गद्दे उचित दामों पर मिलते हैं। सिडकुल के उद्योगों में फिटिंग, ऑफिस व घरों में कवर्ड एवं इमारती लकड़ी का कार्य किया जाता है।

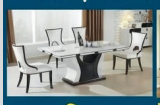

प्रो. जिलानी अंसारी

मो. 8057054786
9837455231

पता:-सिडकुल रोड, टीचर कालोनी के सामने एवं हल्द्वानी बाईपास रोड निकट एसएम पब्लिक स्कूल सितारगंज (ऊ.सिं.नगर)

डॉ. पवनजोत सिंह

B.D.S. (Dental Surgeon)

(पूर्व डेंटल सर्जन- रूहेलखण्ड मेडिकल कॉलेज, डॉ. रवि डेन्टल हॉस्पिटल, बरेली)

M. 8218578565

उपलब्ध सुविधायें

- फ्री दाँतों की सफाई एवं पायरिया का इलाज
- दाँतों की नसों का इलाज
- डेन्टल ज्वैलरी, डेन्टल एक्स-रे (मुँह का एक्स-रे)
- दाँतों में काले दाग धब्बों का इलाज
- टेढ़े-मेढ़े दाँतों का इलाज
- दाँतों में मसाला भरना
- फिक्स दाँत लगाना
- दाँत निकालना
- बत्तीसी लगाना
- अक्ल दाढ़ की सर्जरी
- टूटे जबड़ों का इलाज
- मुँह के कैंसर का इलाज
- दाँतों को साफ व सफेद करना

- मुँह के छालों का इलाज
- श्वांस की बदबू का इलाज
- मसूड़ों का सम्पूर्ण इलाज
- बच्चों के दाँतों का सम्पूर्ण इलाज
- डेन्टल इम्प्लांट द्वारा दाँत लगाना
- दाँतों की किन-किनाहट का इलाज
- गुटका खाने की वजह से मुँह के कम खुलने का इलाज
- दाँतों के बीच में खाली जगह को दाँतों के रंग वाली केविटी फीलिंग
- आगे के टूटे दाँतों का इलाज दाँतों जैसे रंग वाली केविटी फीलिंग (लैट क्यूर)

नानकमत्ता अस्पताल

दहला रोड नानकमत्ता साहिब (ऊधम सिंह नगर) मो. 7088227777

इमरजेन्सी 24 घंटे उपलब्ध

प्रयास हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेन्टर

Live and breathe easier....

डॉ.ईश्वर सिंह
MBBS, MS (ORTHO) DIP FIFA MEDICINE
हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ

डॉ.फैज़ल अन्सारी
MBBS, MS (GENERAL SURGERY)
जनरल एवं लैप्रोस्कोपिक सर्जन

डॉ.आरिफ खान
MBBS, MD, RESP MEDICINE MRCP (LONDON)
वरिष्ठ फिजिशियन
प्रत्येक बुधवार सायं 4 बजे से 6 बजे तक

विशेषताएँ-

- ▶ आधुनिक जाँच एवं अत्याधुनिक उपचार सुविधायें
- ▶ 24 घंटे आपातकालीन एवं एम्बुलेन्स सुविधायें
- ▶ सभी प्रकार की भर्ती सुविधाएँ
- ▶ किफायती शुल्क एवं पारदर्शी चिकित्सा सुविधा
- ▶ हिपेटाइटिस C (काला पीलिया),हिपेटाइटिस B, पीलिया (जॉनडिस) की जांच एवं सफल इलाज
- ▶ पेट की समस्त बीमारी जैसे-पेट में पानी भरना, फेटी लीवर एवं भूख न लगना कब्ज की शिकायत
- ▶ मुंह के छाले का सफल इलाज
- ▶ इण्डोस्कोपी द्वारा आंतो की जांच की सुविधा
- ▶ फाइब्रोस्कैन द्वारा लीवर की जांच (महीने में 1 बार)
- ▶ हड्डी, पेट एवं छाती के ऑपरेशन की सुविधा
- ▶ खून की सभी जाँच एवं X-Ray सुविधा

5 लाख तक मुफ्त उपचार

आयुष्मान द्वारा निःशुल्क उपचार | T.P.A. द्वारा कैशलैस की सुविधा

पता- सिडकुल रोड, सितारगंज
ऊधम सिंह नगर, उत्तराखंड - 262405

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें-
7500967786

जागेश्वर धाम: उत्तराखंड का पांचवां धाम

अल्मोड़ा: देवभूमि उत्तराखंड में केदारनाथ और बद्रीनाथ के अलावा एक ऐसा धाम भी है, जिसे 'पांचवां धाम' कहा जाता है। अल्मोड़ा जिले में जटा गंगा नदी के किनारे बसा 'जागेश्वर धाम' (Jageshwar Dham) भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक (आठवां ज्योतिर्लिंग) माना जाता है।

पुराणों के अनुसार, यह वही पवित्र स्थान है जहाँ से दुनिया में शिवलिंग पूजन की परंपरा शुरू हुई। इसे 'योगेश्वर' भी कहा जाता है। मान्यता है कि भगवान शिव और सप्तऋषियों ने यहाँ कठोर तपस्या की थी।

प्राचीन समय में यहाँ मांगी गई हर मन्नत तत्काल पूरी हो जाती थी, जिसका लोग दुरुपयोग करने लगे। आठवीं सदी में जब आदि शंकराचार्य यहाँ आए, तो उन्होंने इस दुरुपयोग को रोकने के लिए मंदिर को कीलित कर दिया। तब से यहाँ केवल यज्ञ और अनुष्ठान द्वारा ही मंगलकारी मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

जागेश्वर धाम केवल एक मंदिर नहीं, बल्कि 125 छोटे-बड़े मंदिरों का एक समूह है। देवदार के घने जंगलों के बीच स्थित ये मंदिर केदारनाथ शैली (नागर शैली) में बने हैं। इनका निर्माण पत्थरों की बड़ी-बड़ी शिलाओं से किया गया है। यहाँ भगवान शिव की पूजा 'बाल रूप' (तरुण) में की जाती है।

इस धाम के निर्माण को लेकर मतभेद हैं। कुछ विद्वान इसे 7वीं सदी का मानते हैं, तो कुछ 10वीं सदी का। माना जाता है कि कत्यूरी और चंद राजाओं ने इसका निर्माण और संरक्षण किया।

एक पौराणिक मान्यता यह भी है कि भगवान राम के पुत्र लव-कुश ने यहाँ यज्ञ किया था और इन मंदिरों की नींव रखी थी। सावन और महाशिवरात्रि पर यहाँ श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ता है, जो इस प्राचीन धरोहर की अटूट आस्था का प्रमाण है।

अच्छी खबरों के लिए पढ़ें
tv10india.com

SHRI SIDDHNATH PROJECTS DEVELOPERS PRIVATE LIMITED

ENERGY SAVINGS

CLEAN POWER

SYSTEM ACTIVATION

At Shri Siddhnath Projects Developers Private Limited, we believe energy should be clean, renewable, and affordable. We specialize in transforming idle rooftops and open spaces into high-performance solar power plants.

CONTACT US

Vineet Dwivedi 7017290067 Patal gaon, choukhutiya (Almora)

कटारमल: अल्मोड़ा का 'अनसुना कोणार्क'

अल्मोड़ा: जब भी सूर्य मंदिरों की बात होती है, तो ओडिशा के 'कोणार्क' का नाम सबसे पहले आता है। लेकिन उत्तराखंड की वादियों में एक ऐसा सूर्य मंदिर छिपा है, जो कोणार्क से भी सदियों पुराना है। यह है अल्मोड़ा का 'कटारमल सूर्य मंदिर'।

समुद्र तल से 2116 मीटर की ऊँचाई पर स्थित यह मंदिर कत्यूरी राजवंश के 'स्वर्ण युग' का गवाह है। इसका निर्माण 9वीं से 13वीं शताब्दी के बीच राजा कटारमल्ल ने करवाया था। यह केवल ईंट-पत्थर का ढांचा नहीं, बल्कि उस दौर की बेजोड़ वास्तुकला का नमूना है जब पत्थरों को तराशकर उनमें जान फूँक दी जाती थी।

मुख्य मंदिर एक ऊँचे चबूतरे पर बना है, जिसके चारों ओर 44 छोटे-छोटे मंदिर हैं। दूर से देखने पर यह पूरा परिसर एक भव्य 'दैवीय दरबार' जैसा प्रतीत होता है, जहाँ शिव-पार्वती, लक्ष्मी-नारायण और कुबेर विराजमान हैं।

इस मंदिर का निर्माण प्राचीन खगोलीय विज्ञान (Astronomy) के आधार पर किया गया था। मंदिर पूर्वाभिमुख (East-facing) है और इसकी बनावट ऐसी है कि साल के कुछ विशेष दिनों में सूर्य की पहली किरण सीधे गर्भगृह में स्थित मुख्य प्रतिमा पर पड़ती है। बिना आधुनिक तकनीक के ऐसी सटीक गणना करना अपने आप में एक आश्चर्य है।

इस मंदिर की एक दुखद सच्चाई भी है। यहाँ के लकड़ी के नक्काशीदार दरवाजे और खंभे अपनी खूबसूरती के कारण तस्करों की नजर में आ गए थे। सुरक्षा की दृष्टि से पुरातत्व विभाग ने असली दरवाजों और कुछ मूर्तियों को राष्ट्रीय संग्रहालय, नई दिल्ली में रखवा दिया है। आज मंदिर में जो दरवाजे हैं, वे केवल प्रतिकृतियां (Replica) हैं।

अच्छी खबरों के लिए पढ़ें
tv10india.com

अच्छी खबरों के लिए पढ़ें
tv10india.com

DR. TURNA MAX HOSPITAL

WHERE THE ART OF SURGERY ENDEAVORS

ABOUT THE HOSPITAL

Established on 18 Jan 2000, Dr. Turna Max Hospital has served the community for over 25 years. We combine the art of surgery with compassionate care, ensuring world-class treatment for every patient in Sitarganj and beyond.

OUR SERVICES

- General & Laparoscopic Surgery
- Orthopedics & Joint Replacement
- Gynecology, Maternity & Infertility
- Oncology & Chemotherapy
- Diabetes, Cardiac & Chest Care
- 24/7 Emergency & Trauma Center
- Ultrasound, X-Ray & Diagnostics

WHY CHOOSE US?

- 25 Years of Excellence (Est. 2000)
- Experienced Senior Doctors
- Modern Surgical Technology
- 24/7 Patient Care

OUR EXPERT TEAM

Dr. Sukhwinder Singh Turna
M.B.B.S., MS
(Kanpur Medical College)
Senior Laparoscopic Surgeon

Dr. Ruchi Gupta
M.B.B.S., DGO
Obstetrician & Gynecologist

Dr. Gaurav Kumar
M.B.B.S., DNB Ortho
Knee & Hip Replacement Specialist

Dr. Sudhanshu Gupta
M.B.B.S., MS, Mch
Cancer Specialist (Oncologist)

Dr. Arif Hussain
M.B.B.S., MD
Diabetes, B.P. & Chest Specialist

Contact Us: +91 7895679169 Kichha Bypass Road, Sitarganj, Uttarakhand